CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 33 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, गुरूवार, 8 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

एक्सप्रेस न्यूज

सेबी ने राणा पर ठोका दो करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यस बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ राणा कपूर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उन पर गलत तरीके से एटी-1 बॉन्ड की बिक्री करने पर दो करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने बुधवार को राणा पर यह जुर्माना लगाया। उन्हें 45 दिन के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है। यह मामला बैंक के एटी-1 बॉन्ड को उसके अधिकारियों द्वारा खुदरा निवेशकों को गलत तरीके से बेचने से जुड़ा है। यह आरोप लगाया गया था कि बैंक अधिकारियों ने निवेशकों को एटी-1 (एडिशनल टियर -1) बॉन्ड बेचते समय इसमें शामिल जोखिम के बारे में नहीं बताया था। एटी-1 बॉन्ड की बिक्री 2016 में शुरू हुई और 2019 तक जारी रही।

राजनाथ ने गांधी प्रतिमा पर अर्पित की श्रद्धांजलि

उलानबटोर, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राजनाथ सोमवार से मंगोलिया तथा जापान की अपनी पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। इस यात्रा का मकसद क्षेत्रीय सुरक्षा के हालात और वैश्विक भू-राजनीति में उथलपुथल के बीच दोनों देशों के साथ भारत के रणनीतिक व रक्षा संबंधों का विस्तार करना है। सिंह ने एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि उलानबटोर में पूज्य बापू को श्रद्धांजलि दी। सिंह ने मंगलवार को मंगोलिया के राष्ट्रपति यू. खुरेलसुख, स्टेट ग्रेट खुराल (संसद) के अध्यक्ष जी. जानदनशतार और रक्षा मंत्री जनरल सैखानबयार से मुलाकात की थी। मंगोलिया से रक्षामंत्री दो दिवसीय यात्रा पर जापान जाएंगे। वह जापान के साथ 'टू प्लस टू' प्रारूप में आठ सितंबर को होने वाली वार्ता में शामिल होंगे।

बेटी के साथ नहीं रह सकेगी इंद्राणी मुखर्जी

मुंबई, (एजेंसी)। शीना बोरा हत्या कांड की प्रमुख आरोपी इंद्राणी मुखर्जी की उनकी बेटी विधी के साथ रहने की इजाजत को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। दरअसल विदेश में रह रही विधी सितंबर में भारत लौट रही है और वह यहां अपनी मां इंद्राणी मुखर्जी के साथ रहना चाहती थी इसलिए उन्होंने इसके लिए कोर्ट में साथ रहने की इजाजत मांगी लेकिन कोर्ट ने इस अर्जी को खारिज कर दिया। शीना बोरा हत्याकांड मामले की सुनवाई करने वाले विशेष न्यायाधीश एस पी नाईक निंबालकर ने विधि मुखर्जी की याचिका खारिज कर दी। मामले की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी फिलहाल जमानत पर बाहर है। मां इंद्राणी मुखर्जी को बेटी शीना बोरा की हत्या के सिलसिले में 2015 में गिरफ्तार किया गया था।

संजय राउत से नहीं मिल पाए उद्धव ठाकरे

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को जेल में बंद पार्टी सांसद संजय राउत से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों ने उनसे इसके लिए अदालत की मंजूरी लेने को कहा है। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी। राउत को मुंबई में एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह इस समय मध्य मुंबई की आर्थर रोड जेल में हैं। आर्थर रोड जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कुछ दिन पहले ठाकरे के प्रतिनिधि होने का दावा करते हुए किसी व्यक्ति ने जेल प्रशासन को फोन किया था। फोन पर कहा गया था कि पूर्व मुख्यमंत्री अपने करीबी सहयोगी राउत से मिलना चाहते हैं। हालांकि जेल अधिकारियों ने ठाकरे को राउत से मुलाकात की अनुमति नहीं दी और उनके प्रतिनिधि को इसके लिए अदालत की मंजूरी लाने को कहा।

देश के 14,000 विद्यालयों को मिलेगी मजबूती

केंद्रीय कैबिनेट ने दी पीएम श्री योजना को मंजूरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इसमें पीएम श्री योजना और पीएम गतिशक्ति से जुड़े कई अहम फैसले किए गए। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि कैबिनेट की बैठक में पीएमश्री स्कूलों की स्थापना के लिए एक नई योजना शुरू करने को मंजूरी दी गई है। प्रधान ने कहा है कि देश के 14,000 से अधिक केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों को मजबूत बनाते हुए पीएमश्री स्कूलों के रूप में विकसित किया जाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम श्री स्कूलों की स्थापना के लिए नई योजना को मंजूरी दी है। छात्र 12वीं पास कर दुनिया में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जाने के लिए तैयार हो जाएं, ये स्कूल का उद्देश्य रहेगा। इन स्कूलों में लगभग 20 लाख विद्यार्थी रहेंगे। इसके साथ ही, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम गति शक्ति ढांचे को लागू करने के लिए रेलवे की भूमि के दीर्घकालिक पट्टे पर नीति को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि बुधवार को पीएम मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने पीएम गति शक्ति फ्रेंमवर्क को लागू करने के लिए रेलवे की नई लैंड पॉलिसी को संयोजित करने के लिए रेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें कार्गो से संबंधित गतिविधियां हों, पब्लिक यूटिलिटी, रेलवे के एक्सक्लूजिव इस्तेमाल में संशोधन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये संशोधन रेलवे की भूमि नीति में बुनियादी ढांचे को और अधिक कार्गो टर्मिनल के एकीकृत विकास को बढ़ावा देगी। इस संशोधन में प्रति वर्ष भूमि के बाजार मूल्य के 1.5 फीसदी की दर से 35 वर्ष की अवधि तक कार्गो के लिए और कार्गो से संबंधित गतिविधियों के लिए रेलवे की भूमि की लॉन्ग टर्म लीजिंग का प्रावधान किया गया है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि अगले पांच वर्षों में 300 से ज्यादा पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किए जाएंगे। 1,25,000 से ज्यादा रोजगार के अवसर इसमें होंगे। इससे माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी भी होगी।

कोच्चि मेट्रो रेल परियोजना-2 को हरी झंडी

केंद्रीय कैबिनेट ने कोच्चि मेट्रो रेल परियोजना के द्वितीय चरण को भी मंजूरी दे दी। परियोजना में 11.17 किलोमीटर की लंबाई में 11 स्टेशन आएंगे। इस पर 1,957.05 करोड़ रुपए का अनुमानित खर्च आएगा। इसके तहत सीपोर्ट एयरपोर्ट रोड के चौड़ीकरण सहित दूसरे चरण के लिए प्रारंभिक कार्य तेज गति से हो रहा है।

अकादमिक योग्यताओं पर बड़ा फैसला

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अकादमिक योग्यताओं को पारस्परिक मान्यता देने के लिए भारत और ब्रिटेन-उत्तरी आयरलैंड के बीच एमओयू को मंजूरी दी है। यह समझौता (एमओयू) पिछली अवधि से प्रभावी होगा। इस समझौते पर 25 अप्रैल 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे। इसका मकसद अकादमिक सहयोग व छात्रों के आवागमन को प्रोत्साहित करना है। हालांकि, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग और पैरा-मैडिकल शिक्षा, फार्मेसी, विधि और वास्तुकला जैसी पेशेवर डिग्रियां इसके दायरे से बाहर हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू

राहुल बोले- देश महंगाई और बेरोजगारी से गुजर रहा

कन्याकुमारी (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आगाज हो गया है। कांग्रेस ने कन्याकुमारी में एक मेगा रैली से अपनी 3,570 किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा शुरू की। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सुबह पिता राजीव गांधी की समाधि पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा। दोनों नेताओं ने तिरंगे को सलामी दी।

मुझे भारत जोड़ो यात्रा यहां से शुरू करते हुए बहुत बेहद खुशीः राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मुझे तमिलनाडु आकर बहुत खुशी होती है। मुझे भारत जोड़ो यात्रा यहां से शुरू करते हुए बहुत बेहद खुशी है। आज़ादी के इतने साल बाद भी सिर्फ कांग्रेस ही नहीं भारत के करोड़ों लोग भारत जोड़ो यात्रा की जरूरत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस खूबसूरत जगह से यात्रा शुरू करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। राष्ट्रीय ध्वज इस देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के धर्म और भाषा का प्रतिनिधित्व करता है। भाजपा और आरएसएस सोचते हैं कि यह झंडा उनकी निजी संपत्ति है।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें (भाजपा) लगता है कि ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग से वे विपक्ष को डरा सकते हैं। चाहे कितने भी घंटों तक पूछताछ की जाए, विपक्ष का एक भी नेता भाजपा से डरने वाला नहीं है। भाजपा को लगता है कि वे इस देश को धार्मिक आधार पर, भाषा के आधार पर बांट सकते हैं।

मप्र में वैक्सीनेशन 13 करोड़ के पार

भोपाल, (राप्र डेस्क)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन का आंकड़ा 13 करोड़ के पार पहुंचने और एक करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगाए जाने पर प्रदेशवासियों और स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

वहीं मुख्यमंत्री श्री चौहान बताया कि 10 अप्रैल 2022 से बूस्टर डोज लगाने का अभियान शुरू किया गया था। आगामी 30 सितंबर तक बूस्टर डोज निशुल्क लगवाए जा सकेंगे।

देशभर में इनकम टैक्स विभाग एक्शन मोड में

आयकर विभाग ने देश के बड़े थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी के ऑफिस पर की छापेमारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आयकर विभाग ने एक मीडिया फाउंडेशन के अलावा दिल्ली में स्थित एक थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के दफ्तर और वैश्विक गैर-सरकारी संगठन ऑक्सफैम इंडिया के खिलाफ एक तलाशी अभियान चलाया। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) और धर्मार्थ संगठन क्षेत्र के तीन और संगठनों के खिलाफ औचक कार्रवाई की गई। इनकम टैक्स अधिकारियों ने एफसीआरए के प्रावधानों के कथित उल्लंघन से संबंधित जांच के तहत खातों और वित्तीय लेनदेन की जांच की। सूत्रों ने कहा कि आयकर विभाग एफसीआरए के माध्यम से प्राप्त धन की रसीद के साथ-साथ इन संगठनों के बही-खातों की जांच कर रहा है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को ही इनकम टैक्स ने सात राज्यों में छापेमारी की थी. आयकर विभाग ने ये छापेमारी पॉलिटिकल फंडिंग को लेकर की थी। इनकम टैक्स विभाग ने जिन यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में आज बड़े स्तर पर छापेमारी की कार्रवाई की।

यूपी और राजस्थान में भी की छापेमारी- बता दें कि आयकर विभाग ने बुधवार को यूपी में समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के घर पर छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक, गोपाल राय कई एनजीओ चला रहे हैं। अधिकारी आयकर चोरी से जुड़े मामलों की जांच कर रहे हैं. इसके अलावा आयकर विभाग ने बुधवार को राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव के 53 ठिकानों पर छापे मारे। राजेंद्र यादव शिक्षा के क्षेत्र के कारोबार और अशोक गहलोत के करीबी मंत्री भी बताए जाते हैं। इसके अलावा आयकर विभाग ने छत्तीसगढ़ में कई कारोबारियों के ठिकानों पर भी छापेमारी की है।

250 से ज्यादा की टीम छापेमारी में लगी

आयकर विभाग के 250 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी बुधवार कोछापेमारी में शामिल थे। वहीं, छापेमारी में आयकर विभाग के मदद करने के लिए पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों को भी लगाया गया है। इनकम टैक्स के अधिकारी अलग-अलग राज्यों में छापेमारी की इस कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मिले नीतीश

बोले- हमारा एकजुट होना बहुत जरूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से उनके आवास पर दिल्ली में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक करीब 40 मिनट तक चली। मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो देश के विकास के लिए अच्छा रहेगा। हमारा एकजुट होना बहुत जरूरी है। हमारा निजी कुछ नहीं है, हमारा एक ही मकसद है कि सभी एकजुट हो जाएं तो देश के लिए बहुत अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि सभी पार्टियों से बात की तो बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला। देश को कब्जा करने की कोशिश हो रही है। ये लोग (भाजपा) प्रचार में लगे हुए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात को लेकर नीतीश कुमार ने कहा कि जब मैडम विदेश से आ जाएंगी तो उनसे मुलाकात करने के लिए स्पेशल तौर पर दिल्ली आएंगे। बिहार सीएम नीतीश इन दिनों दिल्ली के चार दिवसीय दौरे पर आए हुए हैं और यहां पर विपक्षी पार्टियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस बातचीत की मुख्य वजह आगामी लोकसभा चुनावों के लिए विपक्ष को एकजुट करना है।

इन नेताओं से हो चुकी है बात

नीतीश कुमार ने पिछले ही महीने बिहार में बीजेपी से गठबंधन तोड़ लिया था और आरजेडी से मिलकर सरकार बना ली थी। इसके बाद से ही लगातार विपक्षी एकजुटता पर जोर दे रहे हैं। नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा था कि वह न तो प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं और न ही इसके लिए इच्छुक हैं बल्कि उनका मकसद भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करना है। हाल ही में शरद पवार ने भी साफ कर दिया था कि वह पीएम पद के उम्मीदवार नहीं हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए बातचीत चल रही है। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने सपा संयोजक मुलायम सिंह यादव से गुडगांव के मेदांता हॉस्पिटल में जाकर मुलाकात की थी।

लालबाग के राजा की पूजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी ने बुधवार को मुंबई के लालबागचा राजा गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना की।

10 आईएएस अधिकारियों के तबादले

मनु श्रीवास्तव कुटीर व ग्रामोद्योग और निकुंज श्रीवास्तव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव बने

भोपाल, (राप्र डेस्क)। मध्यप्रदेश सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 10 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले कर उनकी नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। बुधवार को जारी आदेश के तहत राजस्व मंडल मप्र ग्वालियर के प्रशासनिक सदस्य मनु श्रीवास्तव को उन्हें कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग मध्यप्रदेश शासन का प्रमुख सचिव बनाया गया है। इसी तरह स्मिता भारद्वाज प्रमुख सचिव मप्र शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग को सचिव मप्र मानव अधिकार आयोग के पद पर पदस्थ किया गया है। भरत यादव को वि क अ सह आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश भोपाल तथा आयुक्त मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल भोपाल (अतिरिक्त प्रभार) बनाया गया है।

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
मनु श्रीवास्तव	प्र. सदस्य रा. मंडल, ग्वालियर	पीएस, कुटीर एवं ग्रामोद्योग
स्मिता भारद्वाज	पीएस, कुटीर एवं ग्रामोद्योग	सचिव, मप्र मा. अ. आयोग
अमित राठौर	पीएस, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	प्र.सदस्य रा. मंडल, ग्वालियर
निकुंज श्रीवास्तव	पदेन पीएस, नगरीय विकास	पीएस, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
शोभित जैन	सचिव मप्र मानव अधिकार आयोग	सदस्य सचिव, मप्र रा. खाद्य आयोग
अलका श्रीवास्तव	सदस्य सचिव,मप्र रा. खाद्य आयोग	राजिस्ट्रार, मप्र राज्य उपभोक्ता आयोग
भरत यादव	आयुक्त मप्र गृह निर्माण मंडल	सह आयुक्त, नगरीय विकास
अलोक कुमार सिंह	संचालक पंचायत राज मप्र	एमडी, मप्र राज्य सह. विपणन संघ
अमर पाल सिंह	अपर सचिव, पंचायत	संचालक, पंचायत राज मप्र
वीरेंद्र कुमार	सचिव, राजस्व मंडल ग्वालियर	उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन

फरीदकोट के राजा छोड़ गए 20 हजार करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, (एजेसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक ऐसा फैसला सुनाया गया जिसके बाद 30 साल से चले आ रहे संपत्ति विवाद का निपटारा हो गया। मामला कोई छोटी-मोटी प्रॉपर्टी का नहीं था बल्कि फरीदकोट के महाराज की संपत्ति लगभग 20 हजार करोड़ की है जिसके हक के लिए उनकी बेटियां 30 काल से कानूनी लड़ाई लड़ रही थी। इसमें हीरे- जवाहरात, किला, राजमहल और कई जगहों पर इमारतें शामिल हैं।

30 साल बेटियों ने लड़ी कानूनी लड़ाई

सुप्रीम कोर्ट ने बेटियों के हक में सुनाया अहम फैसला

आखिर में दोनों बहनों की जीत हुई और इस संपत्ति में बड़ा हिस्सा उन्हें देने का फैसला बरकरार रखा गया है। सीजेआई यूयू ललित, जस्टिस एस रवींदर भट और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कुछ सुधार के साथ हाई कोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को इस फैसले को सुरक्षित रख लिया था।

क्यों था विवाद- महारावल खेवाजी ट्रस्ट और महाराजा की बेटियों के बीच की यह कानूनी जंग लीगल हिस्ट्री में सबले लंबी चलने वाली लड़ाइयों में से एक है। महाराजा की वसीयत को खत्म करते हुए कोर्ट ने महारावल खेवाजी ट्रस्ट को भी 33 साल के बाद डिजॉल्व करने का फैसला सुना दिया है। ट्रस्ट के सीईओ जागीर सिंह सारन ने कहा, हमें अब तक सुप्रीम कोर्ट का मौखिक फैसला ही पता चला है, कोई लिखित आदेश नहीं मिला है। जुलाई 2020 में ट्रस्ट ने ही सुप्रीम कोर्ट में हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की थी।

प्रस्ताव को हरी झंडी

अमृत महोत्सव में साम्राज्यवादी नीतियों, प्रतीकों को खत्म करना होगा : केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी

राजपथ हुआ कर्तव्यपथ, एनडीएमसी परिषद ने बदला नाम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति भवन से लेकर इंडिया गेट तक जाने वाले मार्ग राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्यपथ' कर दिया गया है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की ओर से राजपथ का नाम बदले जाने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। इस प्रस्ताव को बुधवार सुबह एनडीएमसी परिषद की हुई बैठक में बदल दिया गया। नई दिल्ली के जय सिंह मार्ग स्थित एनडीएमसी मुख्यालय में हुई बैठक में मीनाक्षी लेखी, सतीश उपाध्याय, कुलजीत चहल समेत लगभग सभी सदस्य बैठक शामिल हुए। इस बैठक में राजपथ का नाम बदलने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई और फिर प्रस्ताव

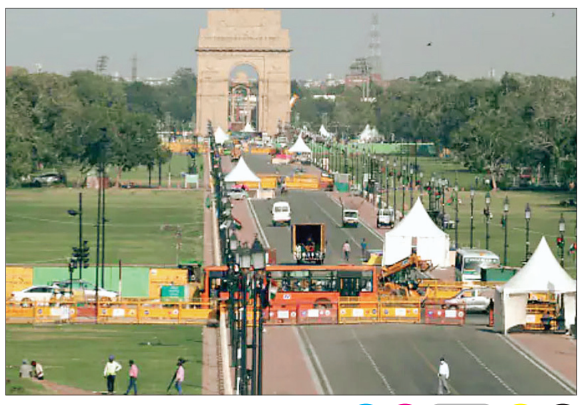

सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आजादी के बाद औपनिवेशिक मानसिकता को आगे बढ़ाया गया। राजपथ बताता है कि आप 'राज' के लिए आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसी सिलसिले साम्राज्यवादी नीतियों, प्रतीकों को खत्म करना होगा। इसलिए राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्यपथ कर दिया गया है। अब इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा से लेकर राष्ट्रपति भवन तक पूरा मार्ग और क्षेत्र कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को 'कर्तव्य पथ' का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे।

सेंट्रल विस्टा का उद्घाटन आज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली के ऐतिहासिक राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करने की तैयारी है। राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक तीन किलोमीटर में फैला यह सड़क सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार की शाम सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन करेंगे। विजय चौक से इंडिया गेट तक के खंड को सेंट्रल विस्टा एवेन्यू नाम दिया गया है। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान राजपथ को किंग्सवे के नाम से जाना जाता था। आजादी के बाद नाम बदलकर राजपथ कर दिया गया, जो लगभग किंग्सवे का ही हिंदी अनुवाद था। स्वतंत्रता दिवस के भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने पांच प्रणों का जिक्र किया था, जिसमें से एक औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति था।

संपादकीय

जूझने का जज्बा

ऐसे वक्त में जब भारी बहुमत से सत्ता में आई राजग सरकार पर निरंकुश व्यवहार के आरोप लगते रहे हैं और विपक्ष धारदार नजर नहीं आता, राहुल गांधी की हल्ला बोल मुहिम वक्त की आवाज कही जा सकती है। देर आये दुरुस्त आये की तर्ज पर राहुल ने इस मुहिम से जहां कार्यकर्ताओं में जोश भरने का प्रयास किया, वहीं सुप्त पड़े विपक्ष में भी जान फूंकने का प्रयास किया। निस्संदेह, कोरोना संकट से पस्त हुई अर्थव्यवस्था और रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न अंतर्राष्ट्रीय हालात से महंगाई बढ़ी है, लेकिन तंत्र की संवेदनहीनता भी इसके मूल में नजर आती है। ऐसे वक्त में जब ईडी व सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियों के दबाव में राज्यों के क्षत्रप मुखर नहीं हो पा रहे हैं राहुल की बेबाक टिप्पणियां देश के अंतर्मन को झकझोरती हैं। पिछले कुछ समय से विपक्ष के धारदार तेवरों के लिये जानी जाने वाली बसपा व सपा जैसे राजनीतिक दलों की तरफ से भी चुनाव से इतर प्रतिरोध के स्वर कम ही सुनाई देते हैं। चुनाव के दौरान केंद्र की मोदी सरकार पर लगातार हमलावर रहने वाली तृणमूल कांग्रेस भी फिलहाल पुराने तेवरों में नजर नहीं आ रही है। हाल के दिनों में उसके एक मंत्री को कदाचार के गंभीर आरोपों में ईडी व आयकर विभाग ने दबोचा था। कमोबेश ऐसी ही स्थिति अन्य विपक्षी दलों की भी है। ले-देकर बिहार में राजग से अलग हुए जदयू के सुप्रीमो नीतीश कुमार व राजद फिलहाल भाजपा व केंद्र सरकार के खिलाफ हमलावर नजर आते हैं। निस्संदेह, राहुल की पहल से विपक्ष के तेवरों में बदलाव नजर आयेगा। राहुल का महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल आम आदमी को जुबान देने जैसा है। निस्संदेह कोरोना काल के बाद पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था अभी सामान्य नहीं हुई है। बड़ी आबादी की आय में संकुचन हुआ है। ऐसे में महंगाई की दोहरी मार आम जनता की मुश्किलें बढ़ाने वाली है जिसके प्रति केंद्र सरकार को संवेदनशील व्यवहार दिखाने की जरूरत है।

इस हल्ला बोल मुहिम के दौरान राहुल गांधी ने देश की समरसता की संस्कृति को मिल रही चुनौती का भी जिक्र किया है। उन्होंने देश में सांप्रदायिक सौहार्द को पलीता लगाने के आरोप लगाये हैं। निस्संदेह, भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और सभी धर्मों को समान तरजीह दिये जाने पर विश्वास करता है। संप्रदाय विशेष को प्राथमिकता और दूसरे को गौण मानना भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा के विरुद्ध है। यदि देश में सांप्रदायिक सौहार्द कायम नहीं होता है तो हम विकास के लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पायेंगे। देश की प्रगति व विकास में सभी धर्मों व वर्गों का योगदान होता है। हम किसी की राष्ट्रभक्ति व निष्ठा को संदेह के घेरे में नहीं खड़ा कर सकते हैं। देश की सत्ता धर्म विशेष को आश्रय नहीं दे सकती। लोककल्याणकारी व्यवस्था की दरकार है कि हर नागरिक के मानवीय, सामाजिक व आर्थिक अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया जाये। यदि हम देश में सांप्रदायिक विभाजन को हवा देंगे तो इसका लाभ वे ताकतें उठाएंगी जो देश को बांटना चाहती हैं। निस्संदेह, राहुल गांधी ने समय के सवालों से संवाद किया। लेकिन इसके साथ ही उन्हें पार्टी के फोरम में पार्टी के हितों को उठाने वाले अनुभवी राजनेताओं को भी सुनना होगा। इंदिरा गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक के साथ पार्टी उत्थान के लिये काम करने वाले दिग्गज कांग्रेस नेताओं की उपेक्षा किसी भी तरह पार्टी के हित में नहीं कही जा सकती। हाल के दिनों ने कई दिग्गज नेताओं ने अपनी बात न सुने जाने के बाद पार्टी छोड़ दी है। जरूरी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पार्टी के भीतर का लोकतंत्र भी मजबूत हो। यह लोकतंत्र कालांतर पार्टी को ताकत देगा और पुराने कार्यकर्ताओं को संबल प्रदान करेगा। पार्टी को मंथन करना होगा कि पार्टी का जनाधार क्यों लगातार सिकुड़ता जा रहा है। सत्ता में आने के इतर एक मजबूत विपक्ष के रूप में देश को कांग्रेस की जरूरत है। लोकतांत्रिक संस्कारों में रची-बसी पार्टी का लोकतंत्र भारतीय लोकतंत्र को नई दिशा देने में कामयाब हो सकता है।

त्रिपक्षीय वार्ता की संभावना!

यह स्पष्ट हो गया है कि यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों के बीच तकरार और तनाव जल्द खत्म होने वाला नहीं है। इस बात को ध्यान में रखकर दोनों पक्षों की ओर से नई-नई युद्ध रणनीति बनाई जा रही है। अमेरिका की रणनीति है कि इस युद्ध में रूस हार जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अमेरिका चीन और भारत से सहयोग चाहता है। पिछले दिनों अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच वार्ता हुई थी जिसमें अमेरिका ने इस बात पर जोर दिया था कि वह रूस की मदद ना करे। इस बीच मास्को रूस-भारत-चीन की शिखर बैठक पर जोर दे रहा है, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल हों। भारत में रूसी राजदूत डेनिश अलीपोव का विश्वास है कि रूस-भारत-चीन (रिक) त्रिपक्षीय ढांचे में सहयोग की असाधारण क्षमता है। अगर ऐसा होता है तो नई दिल्ली तथा पेइचिंग के बीच सकारात्मक वार्ता को प्रोत्साहित करने में सहयोगात्मक साबित हो सकता है। राजदूत अलीपोव से पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यह प्रस्ताव पेश किया था। हालांकि भारत ने अभी तक इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त रहा है। यह दोस्ती एकतरफा नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान अमेरिका और पश्चिमी देश रूस को दुनिया से अलग-थलग करने की जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं। संकट के इस दौर में रूस को भारत का बड़ा संबल हासिल हुआ है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और उसके बाद के कालखंड में तत्कालीन सोवियत संघ और वर्तमान रूस ने भारत का हर पड़ाव पर साथ दिया था। अभी भी रूस भारत के साथ रक्षात्मक साझेदारी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। रूस द्वारा भारत से सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एस-400 की आपूर्ति हो रही है। लगता है भारत अब इसका प्रतिदान कर रहा है। इसी महीने उजबेकिस्तान के समरकंद में 'शंघाई सहयोग संगठन' की बैठक हो रही है। इसलिए इस बैठक में मोदी, पुतिन और जिनपिंग के बीच त्रिपक्षीय वार्ता प्रक्रिया के तहत बैठक की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। यदि ये तीनों नेता विभिन्न वैश्विक मसलों पर एक साझा रवैया भी अपनाते हैं तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निर्णायात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वत- ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो। हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

हल्ला बोल रैली : साफगोई से बनेगी बात

कृष्ण प्रताप सिंह

> सिर्फ रैलियों में क्रोनोलॉजी समझाने या 'भारत जोड़ो' जैसी यात्राएं निकालने से ही संभव नहीं होगा। हां, जैसे राहुल ने पहली बार स्पष्ट क्रोनोलॉजी के साथ अपने कार्यकर्ताओं को निर्णायक संघर्ष का रास्ता दिखाने की कोशिश की है, वैसे ही पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों को भी स्पष्ट व पारदर्शी रूप देकर पार्टी के भीतर उन पर आम सहमति बनानी होगी। हताशा व निराशा के शिकार कार्यकर्ता इसके बगैर शायद ही उनकी रक्षा के प्रति खुद को सच्चे मन से समर्पित कर पाएं।

रविवार को कांग्रेस द्वारा राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में की गई हल्ला बोल रैली को नरेन्द्र मोदी सरकार की रीति-नीति के खिलाफ उसकी अब तक की रैलियों से इस अर्थ में अलग से रेखांकित किया जा सकता है कि वह महंगाई व बेरोजगारी को लेकर सरकार पर हल्ला बोलने के अपने पूर्व घोषित एजेंडे तक ही सीमित नहीं रही।

उसे संबोधित करने वाले ज्यादातर नेताओं ने देश की इनसे इतर कई ऐसी चिंताओं को भी स्वर दिया जो उसके निवासियों को कहीं ज्यादा मथ रही है।

इनमें सबसे बड़ी चिंता निस्संदेह लोकतंत्र के भविष्य से ही जुड़ी हुई है, जो विभिन्न संवैधानिक व विधिक संस्थाओं के सत्ताप्रायोजित क्षरण के चलते लगातार अंधेरा व काला होता जा रहा है। राहुल गांधी ने रैली में इसकी क्रोनोलॉजी कुछ इस तरह समझाई- डरे हुए सत्ताधीश देश में भविष्य, महंगाई और बेरोजगारी से जुड़े डरों को लगातार बड़ा कर रहे हैं। इन डर से नफरत और गुस्से का जन्म हो रहा है, जिससे लोग बंट रहे हैं और देश कमजोर हो रहा है। उसके यों कमजोर होने का सारा दर्द आम आदमी को व सारा लाभ महज दो उद्योगपतियों को मिल रहा है। इन उद्योगपतियों व इनके द्वारा नियंत्रित मीडिया की बदौलत ही मोदी प्रधानमंत्री बने हुए हैं और अपने विरुद्ध कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने विपक्ष की आवाज तो दबा ही दी है, प्रायः सारी लोकतांत्रिक संस्थाओं को शक्तिहीन करके रख दिया है। इसलिए अब विपक्ष के पास जनता के पास जाने और उससे सीधा संवाद करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

आगे उन्होंने कहा कि अब 'भारत जोड़ो' यात्रा में हम सीधे जनता के ही पास जाएंगे, उसकी आवाजें जोड़ेंगे और उसकी शक्ति से 'राजा' को सुनने को मजबूर करेंगे। यानी इसका 'ज्ञान' उन्हें बहुत देर से प्राप्त हुआ है और जहां तक जनता के पास जाने का ही रास्ता बचने की बात है, तो यह स्थिति तो 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही बनी हुई है और 2019 के लोक सभा चुनाव में जनता के पास जाकर भी कांग्रेस उसे नहीं बदल पाई, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि यह क्रोनोलॉजी गलत है या कि उसे सामने लाने में इतनी देर हो चुकी है कि वक्त हाथ से निकल गया है।

वह निकल गया होता तो सत्ता पक्ष को इस 'हल्ला बोल रैली' से इतना डर न सताता कि वह अपने समर्थक पत्रकारों से एडवांस में ऐसी अफवाह उड़ाने को कहे कि रैली को लेकर सकारात्मक ट्वीट करने वाले पत्रकारों को कांग्रेस की ओर से पैसे दिए गए हैं। हां, कह सकते

हैं कि जो समय उनके व उनकी पार्टी के सामने बरबस आ खड़ा हुआ है, उसका उन्होंने ठीक से इस्तेमाल नहीं किया तो कौन जाने लौटकर वापस चले जाने के बाद वापस आने में वह कितनी देर कर दे। यहां 'ठीक से इस्तेमाल' को ठीक से समझ लेना चाहिए। यह 'ठीक से इस्तेमाल' सिर्फ रैलियों में क्रोनोलॉजी समझाने या 'भारत जोड़ो' जैसी यात्राएं निकालने से ही संभव नहीं होगा। हां, जैसे राहुल ने पहली बार स्पष्ट क्रोनोलॉजी के साथ अपने कार्यकर्ताओं को निर्णायक संघर्ष का रास्ता दिखाने की कोशिश की है, वैसे ही पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों को भी स्पष्ट व पारदर्शी रूप देकर पार्टी के भीतर उन पर आम सहमति बनानी होगी।

हताशा व निराशा के शिकार कार्यकर्ता इसके बगैर शायद ही उनकी रक्षा के प्रति खुद को सच्चे मन से समर्पित कर पाएं। इस बात को इस उदाहरण से समझ सकते हैं कि जब राहुल कहते हैं कि मोदी सरकार की नीतियों का सारा फायदा दो उद्योगपतियों को ही मिल रहा है तो उन्हें सुनिश्चित करना होगा कि कांग्रेस या उसके गठबंधन द्वारा शासित राज्यों की सरकारों की नीतियां उन उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाती न दिखें। याद कीजिए, 2019 में पांच अगस्त को मोदी सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किया तो भी किस तरह कांग्रेस कोई लाइन ले रही थी और उसके अनेक नेता कुछ और। कई नेताओं ने तो सरकार के कदम के समर्थन से भी गुरेज नहीं किया था।

कहने का आशय यह कि अगर सत्ताधीशों की कथित विचारधारा खतरनाक व नुकसानदेह होने के बावजूद लोगों को 'सम्मोहित' या उन पर इमोशनल अत्याचार करती है, जो वह करती ही है तो अपने लोगों को उस अत्याचार के पार ले जाने के उपाय किए बिना उससे लड़ाई में जीत नहीं हासिल की जा सकती। ऐसे सैनिकों के भरोसे तो कतई नहीं जो युद्ध के बीच खुद ऐसे अत्याचार के शिकार हो जाते हों। शायद इसी के मद्देनजर पिछले दिनों राहुल ने कहा था कि कांग्रेस के ऐसे नेता या कार्यकर्ता जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा से वैचारिक संघर्ष में उतरते हुए डरते हैं, छोड़कर जा सकते हैं और जो पहले से ऐसे संघर्ष में मुब्तिला हैं या उसमें योगदान करना चाहते हैं, वे कांग्रेस के बाहर भी हैं तो वह अपनों की तरह उनका स्वागत करेगी।

तिस पर, नतीजा कुछ भी हो, इन विकल्पों को आजमाने के सिवाय उनके पास कोई और रास्ता ही नहीं है। क्योंकि अगर इस बार भूतपूर्व कहें या भावी अध्यक्ष के तौर पर वे अरसे से फूटग्रस्त कांग्रेस और उसके नेताओं व कार्यकर्ताओं को इसका अहसास नहीं करा पाए कि इस वक्त वे मजबूती से खड़े नहीं हुए तो कांग्रेस को आगे अपना अस्तित्व बचाने की जानें कितनी लंबी लड़ाई लड़नी पड़ेगी, तो देश भविय व इतिहास उन्हें माफ नहीं करने वाले। आखिरकार, जैसा कि पिछले दिनों एक प्रेक्षक ने कहा भी कि कांग्रेस भले गांधी परिवार या राहुल के पास है, वह देश की धरोहर है। सवाल है कि इस धरोहर की रक्षा के लिए वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से लड़ाई कैसे जीतेंगे, जब दुर्दिन में उन्हें छोड़कर गए 'योद्धा' ही उनसे बारंबार 'युद्धम देहि' की मांग करते रहेंगे? इन 'योद्धाओं' की मंशा को यों समझ सकते हैं कि गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर में अपनी रैली का वही दिन चुना, जो कांग्रेस ने दिल्ली में अपनी 'हल्ला बोल रैली' के लिए तय कर रखा था।

ऐसे में यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि क्या इसके बावजूद कांग्रेस जी-23 के गलाम नबी की राह पर जाने को आतुर अपने नेताओं का कोई इलाज ढूंढ पाई है? और जवाब इसलिए जरूरी है कि अच्छा सेनापति कोई भी लड़ाई शुरू करने से पहले अपने अस्त्रों-शस्त्रों व सेनाओं को ठीक से सहेज लेते हैं-उनकी निष्ठा को भी। वरना अतीत गवाह है कि दुश्मन से हाथी युद्धविरत होकर लौटने लगते हैं तो अपनी ही सेना को कुचल डालते हैं।

विचार मंथन

दाऊद पर शिकंजा

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके डी कंपनी गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी देने के लिए नकद इनाम राशि देने की घोषणा की है। अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के लिए एनआईए ने 25 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। आईएनए के मुताबिक दाऊद इब्राहिम का गिरोह हथियार, विस्फोटक, ड्रग्स और नकली भारतीय मुद्रा नोट की तस्करी के लिए भारत में इकाई की स्थापना करने की कोशिश में लगा है और पाकिस्तानी एजेंसियों और आतंकी संगठनों के साथ मिलकर आतंकी हमले करने की फिराक में है। जांच एजेंसी ने इब्राहिम के करीबी शकील शेख उर्फ छोटा शकील पर 20 लाख रुपए और हाजी अनीस उर्फ अनीस इब्राहिम शेख, जावेद पटेल उर्फ जावेद चिकना और इब्राहिम मुश्ताक अब्दुल रज्जाक मेमन उर्फ टाइगर पर 15-15 लाख रुपए का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। ये सभी 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के मामले में वांछित आरोपी हैं। एजेंसी ने फरवरी में डी कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि दाऊद इब्राहिम कासकर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक वैश्विक आतंकवादी नामित किया गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क चलाता है, जिसका नाम डी-कंपनी है, जिसमें अनीस इब्राहिम शेख, छोटा शकील, जावेद चिकना और टाइगर मेमन जैसे उसके करीबी सहयोगी शामिल हैं। .दाऊद 1993 के मुंबई बम धमाकों में भारत का मुख्य वांछित अपराधी है। उन धमाकों में 250 से ज्यादा निरीह लोगों की जानें गई थीं। उस घटना के बाद से ही यह आतंकी भारत से फरार है और पाकिस्तान भले ही इनकार करता आया हो, यह उसी के संरक्षण में रहा और वहीं अपने ठिकाने बदलता रहा। उसके दुबई सहित कई अन्य देशों में भी

होने की खबरें आती रही हैं। कोई शक नहीं कि दाऊद को पाकिस्तान व आईएसआई का संरक्षण हासिल है और उनके सहयोग से ही उसका पाकिस्तान के बाहर भी आना-जाना रहा है। वह आज भी उन्हीं की सरपरस्ती में ही वहीं कहीं होगा। जरूरत इसी तरह दबाव बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और इंटरपोल की मदद से उसे ढूंढ निकालने और गिरफ्तार करने की है। इसीलिए अब उसे खोजने वाले को इनाम देने का ऐलान किया गया है। भरोसा किया जाना चाहिए कि जिस तरह अबू सलेम को भारत लाने और सजा दिलवाने में कामयाबी मिली, वैसी ही सफलता दाऊद के मामले में भी जल्द मिलेगी। अपने यहां दाऊद इब्राहिम की मौजूदगी को लेकर पाकिस्तान कई बार पलटी मार चुका है। इमरान सरकार ने यह कबूला था कि दाऊद इब्राहिम उसी के यहां है और वहां उसकी संपत्तियां व बैंक खाते हैं। कराची के जिस घर में वह रहता है, उसका पता भी पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक किया था। यह भी बताया गया कि दाऊद के पास चौदह पासपोर्ट हैं। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी 88 आतंकवादियों की सूची में भी दाऊद का नाम है। ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि दाऊद पाकिस्तान में ही है और पूरी तरह से सरकार, सेना और आईएसआई की सुरक्षा में रह रहा है। मगर जब पाक पर दबाव बढ़ा तो वह इस सूचना से मुकर गया। यह सवाल तब भी उठा था कि पाकिस्तान पर अचानक ऐसा क्या संकट आया कि उसे अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को दुनिया के समक्ष कबूलना पड़ा। और इससे भी बड़ा और चौंकाने वाला प्रश्न यह कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि इस कबूलनामे के तत्काल बाद पाकिस्तान अपनी बात से मुकर गया। यह कोई छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान दुनिया के उन चंद देशों में शीर्ष पर है जो आतंकवाद फैलाने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। कहना न होगा कि आतंकवाद पाकिस्तान की सरकारी नीति का अभिन्न हिस्सा है। इसीलिए वहां बड़ी संख्या में आतंकी संगठन काम कर रहे हैं। पाकिस्तान अपने यहां आतंकियों और उनके सरगनाओं को किस तरह से सुरक्षित पनाह मुहैया कराता है, यह दुनिया अच्छी तरह जानती है। अमेरिका पर 9/11 के हमले के साजिशकर्ता और अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का मामला इस बात का प्रमाण है। लादेन पाकिस्तान के ऐबटाबाद में सेना मुख्यालय के पास बने एक घर में वर्षों से सुरक्षित रह रहा था और अमेरिका ने कार्रवाई करके उसे वहीं खत्म कर दिया था। यही मामला दाऊद का भी है। मुंबई बम कांड के बाद भारत ने न जाने कितनी बार इस बात के पुख्ता सबूत दिए कि दाऊद पाकिस्तान में ही मौजूद है, लेकिन पाकिस्तान हुक्मरानों ने कभी इस बात को नहीं माना, बल्कि इसका खंडन ही किया गया। मगर अब एनआईए ने उसकी खोज शुरू की है तो उम्मीद है कि वह जल्द ही भारत के शिकंजे में होगा और अपनी करनी की सजा भुगतेगा।

अर्थव्यवस्था

सही दिशा में बढ़ रहे हैं कदम

नितिन प्रधान

दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी नई पहचान बनाई है।

आकार के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। यही नहीं कोविड महामारी के दौरान बुरी तरह प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था की सेहत में अब सुधार दिख रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ने पिछले साल के मुकाबले 13.5 फीसद की वृद्धि दर्ज की है। हालांकि अर्थव्यवस्था की पहली तिमाही की यह रफ्तार भारतीय रिजर्व बैंक के आकलन 16.2 से कम रही है। बावजूद इसके इस बात को स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को जो नुकसान पहुंचा था उससे उबरने की सही दिशा पकड़ ली है। अलबत्ता, हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि रिजर्व बैंक ने इस अवधि के लिए 16.2 फीसद की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। यानी अभी भी अर्थव्यवस्था में ऐसा कुछ है जो उसके स्वाभाविक विकास को बाधित कर रहा है। इसकी चर्चा हम आगे करेंगे, लेकिन इससे पूर्व हमें बीते तीन साल के कुछ आंकड़ों पर नजर डालनी होगी, जिससे अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर को समझने में आसानी हो।

कोविड से ऐन पहले के वित्त वर्ष यानी 2019-20 की पहली तिमाही में जीडीपी का आकार 35.49 लाख करोड़ रु पये का था। बावजूद इसके इस वित्त वर्ष में जीडीपी का आकार 145.69 लाख करोड़ रु पये तक ही पहुंच पाया। इसलिए वित्त वर्ष 2018-19 के मुकाबले आर्थिक विकास दर या जीडीपी दर मात्र चार फीसद पर ही सिमट गई। अगले वित्त वर्ष यानी 2020-21 से और आगे बढ़ने की आस बंधी थी, लेकिन मार्च 2020 में कोविड के चलते लॉकडाउन की घोषणा हो गई

और देश भर में आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई। नतीजा वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी का आकार घटकर 27.03 लाख करोड़ पर आ गया। विकास दर में लगभग 24 फीसद की गिरावट दर्ज की गई।

अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में स्थितियां सुधरी और जीडीपी का आकार 2021-22 में 20.1 फीसद बढ़कर 32.46 लाख करोड़ रुपये हो गया, लेकिन अभी भी कोविड पूर्व की पहली तिमाही के 35.49 लाख करोड़ रु पये से कुछ कम ही था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही ने इस बाधा को पार किया है और वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही के आंकड़े को पार कर जीडीपी का आकार 36.85 लाख करोड़ रु पये हुआ है। यानी यदि कोविड की अवधि को निकाल दिया जाए तो अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अभी हम लगभग 2019 के स्तर पर ही खड़े हैं। आर्थिक मोर्चे पर अब हमें लगभग वहीं से शुरुआत करनी है जहां दो साल पहले हम पीछे छूट गए थे। अब बात करते हैं उन परेशानियों की जो अभी भी अर्थव्यवस्था की रफ्तार को बाधित कर रही हैं। इस वक्त की सबसे बड़ी अड़चन है महंगाई। हम सभी ने देखा है कि रिजर्व बैंक अब तक तीन बार रेपो रेट की दरों में वृद्धि कर चुका है, लेकिन उसका असर महंगाई पर अभी दिखा नहीं है।

रिजर्व बैंक के मुताबिक दरों में बदलाव के उसके निर्णयों का असर जमीन पर दिखने में आठ से नौ महीने का वक्त लगता है। यानी दो-तीन महीने अभी और इंतजार करना होगा। महंगाई का सर्वाधिक असर इस बार देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को उठाना पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों की महंगाई की दर शहरों के मुकाबले ऊपर बनी हुई है। इस बार मानसून में देरी के चलते धान की बुआई भी प्रभावित हुई। इसका असर पैदावार पर भी होगा। मनरेगा में भी रोजगार की तेज मांग देखने को मिली है जो यह दर्शाती है ग्रामीण अर्थव्यवस्था दबाव में है। भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत में ग्रामीण सेक्टर का योगदान काफी महत्त्वपूर्ण होता है। पहली तिमाही में व्यापार, होटल, ट्रांसपोर्ट, कम्यूनिकेशन आदि क्षेत्र की सेवाओं में 16.3 फीसद की वृद्धि दर दर्ज की गई है, लेकिन अभी भी यह कोविड पूर्व 2019-20 की पहली तिमाही के 21.6 फीसद की वृद्धि दर से काफी पीछे है। अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने की दिशा में इस क्षेत्र को अभी और आगे आना होगा।

वहीं निर्यात के मोर्चे पर अभी भी दिक्कत है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार निर्यात बाजार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ने नहीं दे रही है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र अभी भी पटरी पर नहीं आ पाया है। पहली तिमाही में मैन्यूफैक्चरिंग की वृद्धि दर मात्र 8.6 फीसद रही है, जबकि अनुमान इससे अधिक का था, लेकिन कृषि विकास दर अनुमान से अधिक 4.5 फीसद रही है। दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था का यह प्रदर्शन उत्साहवर्धक है।

हालांकि महंगाई और बेरोजगारी के आंकड़े अभी भी चिंता का सबब बने हुए हैं। इसलिए नीति निर्माताओं की परीक्षा का भी यही सही वक्त है। कोविड महामारी के पूर्व की आर्थिक स्थिति को तो हमने पा लिया है। अब यहां से किस रफ्तार से आगे जाते हैं यह सरकार की नीतियों पर ही निर्भर करेगा। रिजर्व बैंक का अनुमान चालू वित्त वित्त वर्ष के लिए 7.3 फीसद की आर्थिक विकास दर का है, जबकि आइएमएफ ने इसी सप्ताह अपना अनुमान घटाकर 7.4 फीसद की विकास दर किया है।

नट समाज के 200 से अधिक महिला पुरुष बच्चो ने घुमंतु विभाग एवं ब्रजभूमि कल्याण परिषद के डॉ पंकज गुप्ता के नेतृत्व में निकाला विरोध मार्च अलवर एडीएम सिटी को दिया ज्ञापन

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

ग्राम बंबोरा किशनगढ़ बास में नट समाज के आशियाना के ऊपर तार बंदी के बाद ब्रजभूमि कल्याण परिषद के डॉ पंकज गुप्ता एवं घुमंतु विभाग के अश्वनि जावलि के नेतृत्व में आज 200 से अधिक महिला पुरुष बच्चो ने विरोध मार्च निकाल कर जिला कलेक्टर के गेट पर एडीएम को दिया ज्ञापन। ग्राम बंबोरा किशनगढ़ बास में 30 40 वर्षों से नट समाज के 50 परिवार पक्के घर बना कर वर्षों से रह रहे हैं वहा पर समाज के 2 मंदिर भी बने हुए हैं, सरकारी राशन कार्ड, वोटर आई डी है, सरकारी बोरिंग है, बिजली का कनेक्शन है, पहले नल भी थे, और बिल्कुल बस्ती की तरह परिवार बसे हुए हैं। पिछले दिनों किशनगढ़ बास की सरकार ने इस क्षेत्र की तार बंदी कर दी, बस्ती के रास्तों को बंद कर दिया है और सरकारी कर्मचारी धमकी दे रहे हैं कि ये सब लोग अपने घर छोड़ के चले

जाओ वरना इनके घरों को तोड़ दिया जाएगा और बेघर और दरबदर कर दिया जाएगा, सरकार के कुछ कर्मचारी साइन करवा कर ले गए हैं। मामला सामने आने पर समाज सेवी और घुमंतु समाज के लिए कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी जावली और बृज भूमि कल्याण परिषद के डॉक्टर पंकज गुप्ता ने मामले का संज्ञान लिया और आंदोलन का आगाज कर दिया 200 से अधिक नट समाज के बंधुओ के साथ अशोक टाकीज विवेकानंद चौक से विरोध मार्च निकाला गया। सभी लोग नारे लगाते हुए चल रहे थे कि हमारे आशियाना मत तोड़ो, मुवायजा दो, पट्टे दो, न्याय दो, भारत माता की जय वंदे मातरम आदि। कलेक्टर के गेट पर आंदोलनकारियों को अश्वनी जावली और डॉक्टर पंकज गुप्ता ने संबोधित किया। मौके पर ब्रजभूमि कल्याण परिषद के अन्य कार्यकर्ता प्रेम प्रकाश शर्मा, संतराम अरोड़ा, मनोज कुमार शर्मा, यशवंत कुमार गुप्ता, बीजेपी के जिला मंत्री जितेंद्र राठौर, लोकेश आदि कार्यकर्ता और नट समाज के 200 से अधिक लोग उपस्थित थे। उद्बोधन करने वाले नेताओं ने सभी रह वासियों को विश्वास दिलाया क्षेत्र से उन्हे कोई भी दरबदर नहीं कर पाएगा नहीं कर सकता है और इसके लिए अगर सरकार आगे कोई कार्यवाही करती है तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे, आप किसी भी कागज पर साईन मत करना और कोई बात हो तो हमे बताना। मोके पर काफी संख्या में बसती वासी लख्मी चंद नट, रुस्तम सिंह नट, लाखन सिंह नट, अजान सिंह नट, मदन नट, बाबूलाल नट, सतीश नट, राकेश नट, संतोष नट, सूरज नट, सीमा नट, सरोज नट, सुनीता नट, लता नट, कमलेश नट, दिनेश बाई नट, मीना नट, बाला नट आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो पदयात्रा का शुभारंभ किया गया।

मरुधर विशेष रुपेश शर्मा

भारत जोड़ो यात्रा के अलवर शहर विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रमों का आयोजन जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा की अध्यक्षता में मौजपुर हाउस पर किया गया। कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा, भारत जोड़ो पद यात्रा से संबंधित पंपलेट एवं वीडियो क्लिप का वितरण तथा पदयात्रा शुभारंभ कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग का आयोजन किया गया। 8 सितंबर को प्रातः 6:30 बजे नेहरू जी की प्रतिमा, पुराना सूचना केंद्र से महात्मा गांधी जी की प्रतिमा, नगर परिषद अलवर तक पदयात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रमों में कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा,अजीत यादव, महंत जयराम दास, गफूर खान, राजेश कृष्ण सिद्ध, रमन सैनी, रिपुदमन गुप्ता, रामस्नेही शर्मा, साजिद खान, पंकज शर्मा, प्रीतम मेंदीरत्ता, राजेश सैनी, केके खंडेलवाल, सोनू गोपालिया गोपाल जायसवाल, जेडी आर्यन, नितिन धाकड़ ,मनीष कोली, सुदर्शन अरोड़ा, देवेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा के 5 मंडलों की संयुक्त बैठक में संगठनात्मक विषय पर हुई चर्चा

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। कस्बे के लालदास बाबा मंदिर पर कठूमर विधानसभा के पाँचो मंडल की संयुक्त बैठक कठूमर मंडल अध्यक्ष सुनील बजाज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मंडल अध्यक्ष सुनील बजाज ने बताया कि इस मीटिंग में प्रदेश से पधारे संभागीय विस्तारक के संयोजक सत्यनारायण जैमन उनके साथ जिला महामंत्री शिवलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पंडा दौसा जिला उपाध्यक्ष दीपक पालीवाल बैठक में उपस्थित रहे। उन्होने कार्यकर्ताओं से मीटिंग में संगठनात्मक विषय पर चर्चा की गई एवं कार्यकर्ताओं से अपील की गई की आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पखवाड़ा सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाएगा और

प्रधानमंत्री का जन्मदिन संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उसके बाद 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती मनाई जाएगी और 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाएगी और 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक अनेकों कार्यक्रम किए जाएंगे। और आगामी 2023 विधानसभा का चुनाव की तैयारी की गई। इस मीटिंग में मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह नरूका, मंडल अध्यक्ष शिवचरण अवस्थी, मंडल महामंत्री श्याम सिंह, मंडल महामंत्री अनिल टिंकल सभी मंडलों के महामंत्री उपस्थित रहे। सभी मोर्चों के मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। कठूमर से दिगंबर सिंह ,खेड़ली के युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपक जैन, खोह के मंडल अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा डालचंद शर्मा, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बृजेश चौधरी, अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष अरमान खान, एससी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुगन जाटव,ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ,मानसिंह बेरका सहित सभी मंडलों के मोर्चा अध्यक्ष मौजूद रहे।

शहर के प्रमुख महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह आयोजित किया गया

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़ । लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स के द्वारा शहर के प्रमुख महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब के द्वारा 45 शिक्षक व शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य श्री महिपाल जी यादव व शिक्षक गणों द्वारा लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स के समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों का फूल मालाओं के माध्यम से स्वागत किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन राकेश रोहिल्ला ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अपने स्वागत भाषण में सभी पधारे हुए क्लब सदस्यों शिक्षक शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों का स्वागत किया एवं डॉक्टर

राधाकृष्णन सर्वपल्ली के जीवन पर प्रकाश डाला। मेंबरशिप कमिटी चेयरमैन लायन प्रमोद अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों व शिक्षकों के मध्य समन्वय की विशेष आवश्यकता है हमें बदलते वक्त के साथ अपने आप को बदलते हुए आगे बढ़ना होगा। विद्यार्थी स्वर्णिम भारत के भविष्य निर्माता है। और शिक्षक इन भविष्य निर्माताओं का निर्माण करता है। विद्यालय में गिलोय वाटीका हेतु क्लब की तरफ से लायन मनीष शर्मा जी के द्वारा दो सिमेंटेड चेयर देने की भी घोषणा की गई। साथ ही उपस्थित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान प्रतीक चिन्ह भेंट कर करवाया गया। इसी अवसर पर प्रधानाचार्य श्री महिपाल यादव जी ने संबोधित करते हुए क्लब के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के समस्त पदाधिकारी व सदस्य समय समय पर शाला आते रहते हैं व हमारा मार्गदर्शन करते हैं उन्होंने कहा कि आप लोगों के आने से आप लोगों के हमारे साथ जुड़ने से हमारी जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ जाती हैं। शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर समस्त शिक्षक व शिक्षिकाओं सहित क्लब के एमजेएफ दिनेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, मुकेश यादव ,राकेश गोयल , गोपाल अग्रवाल ,निर्मल कौशिक ,नवीन गोयल ,प्रदीप यादव , प्यारे लाल सैनी , डॉ मनीष अग्रवाल , रघुनंदन पंडित जी, संदीप अग्रवाल, मनीष शर्मा, राजेश सैनी, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दोहा में कतारा हंटिंग व फालकल प्रदर्शनी में भाग लेती हुई कंपनियां।

चीन ने 6.5 करोड़ लोगों पर लगाई लॉकडाउन की पाबंदी

बीजिंग, । चीन ने अपने साढ़े छह करोड़ नागरिकों को सख्त कोविड-19 प्रतिबंधों के तहत लॉकडाउन में रखा है और देश में आगामी राष्ट्रीय अवकाशों के दौरान घरेलू यात्रा को हतोत्साहित किया जा रहा है। चीनी कारोबारी पत्रिका 'काइशिन' द्वारा रविवार देर रात प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक देश की सात प्रांतीय राजधानियों समेत 33 शहर पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन के दायरे में हैं जिससे यहां रहने वाले साढ़े छह करोड़ लोग प्रभावित हैं। पत्रिका ने कहा कि 103 शहरों में संक्रमण देखा गया है और यह 2020 में महामारी के शुरुआती दिनों के बाद से सर्वाधिक संख्या है। संक्रमण के अपेक्षाकृत कम मामलों के बावजूद अधिकारी ÷शून्य कोविड÷ की नीति का पालन कर रहे हैं जिसमें लॉकडाउन, पृथकवास और किसी संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने पर संदिग्धों को घरों में रखने की बात कही गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक 1.4 अरब की आबादी वाले चीन में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,552 नए मरीज सामने आए। दक्षिणपश्चिमी चेंगदू शहर की लगभग 2.1 करोड़ आबादी में अधिकर लोग अपने फ्लैट या रिहाइशी परिसरों में सिमटे हैं, जबकि पूर्वी बंदरगाह शहर तियानजिन मेंकोविड-19 के 14 मामले सामने आने के बाद अब ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। चेंगदू के क्विंगलाई और शिनजिन जिलों में करीब 10 लाख लोगों को लॉकडाउन के दायरे से बाहर किया गया है। बुधवार को तीन और दौर का व्यापक परीक्षण किया जाएगा। सभी स्कूल बंद हैं और कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन हो रहा है।

बकिंघम पैलेस की बजाय स्कॉटलैंड से क्यों हुआ नए पीएम का ऐलान,

-लिज ट्रस ने क्वीन एलिजाबेथ की मौजूदगी में ली शपथ

लंदन। (एजेंसी)।

कंजर्वेटिव पार्टी की नेता लिज ट्रस ने क्वीन एलिजाबेथ की मौजूदगी में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने औपचारिक रूप से उन्हें एक नई सरकार बनाने के लिए कहा गया। जिसके बाद लिज़ ट्रस ने आज दोपहर स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में पदभार ग्रहण किया। महारानी के 70 साल के शासनकाल में यह पहली बार था कि सत्ता का हस्तांतरण लंदन के बकिंघम पैलेस के बजाय बाल्मोरल में हुआ। गर्मियों के इस मौसम में 96 वर्षीय क्वीन एलिजावेथ स्कॉटलैंड के वलमॉरल कासल में हैं। इसलिए परंपरा से अलग इस बार स्कॉटलैंड से ही नए पीएम का ऐलान हुआ।

नई सरकार कब से?

शाही कार्यक्रमों का आधिकारिक रिकॉर्ड रखने वाला कोर्ट सर्कुलर ने नए पीएम की नियुक्ति की जानकारी दी। अब नई पीएम लंदन लौटेंगी। इसके बाद 47 वर्षीय ट्रस लंदन स्थित 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचकर प्रधानमंत्री के रूप में अपना पहला भाषण देंगी और इसके बाद कुछ प्रमुख कैबिनेट मंत्रियों के नाम की घोषणा करेंगी। 7 सितंबर को नए कैबिनेट की ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स के चैंबर में बैठक होगी। उसी दिन शाम के 4:30 बजे नए पीएम का विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर से आमना सामना होगा।

कैसा होगा नया कैबिनेट

ब्रिटेन के मीडिया की कुछ खबरों के मुताबिक मंत्रिमंडल में बदलाव के साथ ही डाउनिंग स्ट्रीट में भी बड़ा परिवर्तन हो सकता है तथा जॉनसन के कार्यकाल में रहे कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। नये मंत्रिमंडल में कारोबार मामलों के मंत्री क्वासी क्वारतेंग का नाम वित्त मंत्री के लिए चल रहा है, वहीं शिक्षा मंत्री जेम्स क्लीवरली को विदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी जा सकती है, जिसे अब तक ट्रस खुद संभाल रही थीं। इनके अलावा ब्रिटिश पाकिस्तानी साजिद जाविद के साथ ही नदीम जहावी को भी बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। माना जा रहा है कि रक्षा मंत्री बेन वालेस, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री एनी-मैरी ट्रेवेल्यान और संस्कृति मंत्री एन डोरजी अपने पदों पर बने रह सकते हैं।

भारतीय मूल की हैं सुएला ब्रेवरमैन, बन सकती हैं ब्रिटेन की अगली गृह मंत्री

काठमांडू (एजेंसी)।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री चुनाव के नतीजे आ गए हैं। पूर्व विदेश मंत्री लिज ट्रस ने भारतीय मूल के ऋषि सुनक को हरा दिया। जानकारी के मुताबिक लिज ट्रस आज ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ले लेंगी। इन सब के बीच खबर यह भी है कि बोरिस जॉनसन ने प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही बोरिस जॉनसन की सरकार में गृह मंत्री पद संभाल रही भारतीय मूल की प्रीति पटेल ने भी इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में लिज ट्रस अपने कैबिनेट में नए नामों को शामिल कर सकती हैं। इसी कड़ी में एक नाम खूब सुर्खियों में है। वह नाम है सुएला फर्नांडीस ब्रेवरमैन का। माना जा रहा है कि सुएला ब्रेवरमैन ब्रिटेन कैबिनेट में प्रीति पटेल का स्थान ले सकती हैं। उन्हें लिज ट्रस अपने कैबिनेट में यूके की गृह मंत्री बना सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो प्रीति पटेल और साजिद जाविद के बाद ब्रेवरमैन यूके की गृह मंत्री बनने वाली तीसरी अल्पसंख्यक होंगी।

लेकिन क्या आपको पता है कि सुएला फर्नांडीस ब्रेवरमैन का नाता भारत से है। जी हां, सुएला ब्रेवरमैन भी भारतीय मूल की हैं। उनका नाता भारत के गोवा से हैं। वह भारत के गोवा की रहने वाली हैं। इस समय एटर्नी जनरल के पद पर काबीज हैं। इनका जन्म 3 अप्रैल 1980 को हुआ था। उनके पिता का नाम क्रिस्टी और माता का नाम उमा फर्नांडीस था। यह दोनों की भारतीय मूल के ही थे। इस चुनाव में सुएला ब्रेवरमैन ने लिज ट्रस का समर्थन किया था। यही कारण है कि वह गृह मंत्री के पद के लिए सबसे प्रबल दावेदारों में से एक हैं। ब्रेवरमैन के पिता एक हाउसिंग एसोसिएशन के लिए काम करते थे। वहीं, उनकी माता नर्स और काउंसलर के तौर पर काम करते थीं। ब्रिटेन प्रधानमंत्री पद के चुनाव में जब लिज ट्रस पीछे हो रही थीं, उस वक्त सुएला ब्रेवरमैन ने उनका भरपूर समर्थन किया था।

युद्धग्रस्त यूक्रेन के परमाणु संयंत्र में तनावपूर्ण स्थिति अभी तक बरकरार

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन में स्थित यूरोप के सबसे बड़े जपोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में सोमवार को भी स्थिति तनावपूर्ण रही। संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षक रूसी हमले के कारण संकट में आए इस यूक्रेनी स्थल पर संभावित आपदा को टालने के अपने प्रयासों पर मंगलवार को रिपोर्ट देंगे। रूसी सेना ने यूक्रेनी बलों पर संयंत्र में उकसाने वाली कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि कीव के बलों ने ड्रोन से संयंत्र के क्षेत्र को रविवार को निशाना बनाया, लेकिन रूसी बल इस ड्रोन को गिराने में कामयाब रहे। मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने रात में दो बार निकटवर्ती शहर एनेरहोदार पर भी गोलाबारी की। क्रेमलिन के बलों ने मार्च की शुरुआत में इस संयंत्र पर कब्जा कर लिया था। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर संयंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। संयंत्र में यूक्रेनी कर्मियों ने काम जारी रखा है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के विशेषज्ञों ने एक खतरनाक अभियान के तहत पिछले सप्ताह संयंत्र तक पहुंचने के लिए युद्ध क्षेत्र से यात्रा की। यूक्रेन के सरकारी परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालक एनेरगोएटम ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र परमाणु एजेंसी के छह में से चार निरीक्षकों ने अपना काम पूरा कर लिया है और वे स्थल से चले गए हैं। एनेरगोएटम ने बताया कि दो विशेषज्ञ संभवतः स्थायी रूप से संयंत्र में रहेंगे। संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षक मंगलवार को सुरक्षा परिषद को अपनी रिपोर्ट देंगे। ऊर्जा बाजारों में खलबली मचाने वाले युद्ध के कारण संयंत्र काफी हद तक पंगु हो गया है।

नेपाली राष्ट्रपति भंडारी ने थल सेना प्रमुख मनोज पांडे को जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सोमवार को भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक निवास 'शीतल निवास' में एक विशेष समारोह में जनरल पांडे को मानद उपाधि से सम्मानित किया। नेपाल और भारत के थल सेना प्रमुखों द्वारा एक-दूसरे के देश की यात्राएं करने और एक-दूसरे देश के थल सेना प्रमुखों को मानद जनरल की उपाधि प्रदान करने की लंबी परंपरा रही है।यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी।

जनरल पांडे रविवार को पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ विस्तृत बातचीत करेंगे और दोनों पड़ोसी देशों के बीच के रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर देंगे। जनरल मनोज पांडे को सोमवार को सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। नेपाली सेना ने एक ट्वीट में कहा, भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने नेपाली थल सेनाध्यक्ष जनरल प्रभु राम शर्मा को विभिन्न गैर-घातक सैन्य साजोसामान सौंपे।

नेपाली सेना मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार भारत ने चार घोड़े, 10 एमपीवी (बारूदी सुरंग से सुरक्षित वाहन) और कुछ चिकित्सा उपकरणों सहित गैर-घातक साजोसामान सौंपे। यह सहायता 22.38 करोड़ नेपाली रुपये (17,51,821 अमेरिकी डॉलर) के बराबर है। सूत्रों ने बताया कि यह भारतीय सेना द्वारा दी गई विशेष सब्सिडी है, जिसमें 60 प्रतिशत अनुदान सहायता शामिल है। नेपाली सेना ने एक अन्य ट्वीट में कहा, भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने सेना पैवेलियन में शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

जनरल पांडे मंगलवार को नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और अन्य वरिष्ठ सैन्य और नागरिक अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे। उनकी इस यात्रा के दौरान अग्निपथ योजना के तहत नेपाल से गोरखाओं को भारतीय सेना में शामिल करने के मुद्दे पर भी चर्चा होने की संभावना है। वह आठ सितंबर को काठमांडू से नयी दिल्ली रवाना होंगे। जनरल पांडे के साथ भारतीय थल सेना के आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष अर्चना पांडे भी आई हैं।

शी चिनफिंग जल्द ही कजाकिस्तान की यात्रा पर जाएंगे

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग 14 सितंबर को कजाकिस्तान की यात्रा करेंगे और पड़ोसी देश उज्बेकिस्तान में अगले दिन आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। यह चिनफिंग की कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद करीब ढाई साल में पहली विदेश यात्रा होगी। कजाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ऐबक स्मदियारोव ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी की कजाकिस्तानी राष्ट्रपति कासिम-जोमार्त तोकायेव के निमंत्रण पर कजाकिस्तान गणराज्य की राजकीय यात्रा इस साल 14 सितंबर को करने की योजना है।

रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक ने उनके हवाले से कहा कि यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने कई सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर करने की योजना बनाई है। शी के जनवरी 2020 के बाद पहली बार चीन से बाहर जाने की योजना के बारे में बीजिंग में कोई पुष्टि नहीं हुई है। म्यांमार आखिरी देश था जहां की यात्रा शी ने 17-18 जनवरी, 2020 को की थी। उनकी वापसी के कुछ ही दिनों बाद, चीन ने वुहान में कोरोना वायरस के बड़े पैमाने पर प्रकोप की घोषणा की थी, जो बाद में एक बड़े पैमाने पर वैश्विक महामारी में बदल गया था।

इसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में लाखों मौतें हुई। तब से 69 वर्षीय शी चीन से बाहर नहीं निकले हैं और वैश्विक कार्यक्रमों में डिजिटल माध्यम से शामिल हुए हैं। शी की विदेश यात्रा का पहला संकेत हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से आया, जिन्होंने अपनी 25 जुलाई की यात्रा के दौरान शी से मुलाकात की थी और उन्हें नवंबर में बाली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया था। विडोडो ने बाद में कहा कि शी ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, लेकिन चीनी विदेश मंत्रालय ने इस पर लगातार चुप्पी साधे रखी है।

इसको लेकर संदेह है कि क्या शी 15-16 सितंबर को होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे क्योंकि यह कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना (सीपीसी) कांग्रेस से पहले होगा। राजनयिक सूत्रों का कहना है कि शी की कजाकिस्तान यात्रा से उनके उज्बेकिस्तान के समरकंद में आठ देशों के एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

दोनों नेताओं ने अपनी भौतिक भागीदारी की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। बीजिंग मुख्यालय वाला एससीओ आठ सदस्यीय आर्थिक और सुरक्षा समूह है जिसमें चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। समरकंद शिखर सम्मेलन के बाद, भारत मध्य एशियाई गणराज्यों के प्रभावशाली समूह की अध्यक्षता संभालेगा। यदि मोदी और शी शिखर सम्मेलन में शामिल होते हैं, तो दोनों नेता 2019 में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) से इतर ब्रासीलिया में अपनी बैठक के बाद पहली बार आमने-सामने हो सकते हैं। तब से दोनों पक्षों के बीच संबंधों में मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों की घुसपैठ को लेकर खटास आ गई है। सैन्य और कूटनीतिक वार्ता के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट से और गोगरा क्षेत्र से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की थी। गतिरोध हल करने के लिए दोनों पक्षों ने अब तक कमांडर स्तर की 16 दौर की बातचीत की है।

त्रिवार्षिक चुनाव में अलवर ग्रामीण में सदस्य के प्रत्याशी खेड़ली निवासी मुकेश जैन नें जुटाया समर्थन

मरूधर विशेष

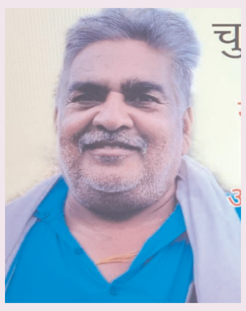

कठूमर। दिनेश लेखी। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के हस्तिनापुर मे 18 सितंबर 2022 को होने वाले त्रिवार्षिक चुनाव मे? अलवर ग्रामीण में सदस्य के प्रत्याशी खेड़ली निवासी मुकेश जैन (गुडडू) नें समर्थन जुटाने के लिये कठूमर, खेड़ली, लक्ष्मणगढ, टिटपुरी, हरसाना, विचगॉबा, बडौदाकान में संघन दौरा किया। प्रत्याशी मुकेश जैन ने समाज के मतदाताओ को अपनी नीति रीति से अवगत करा वोट मांगे। वही मतदाता और शेताम्बर पल्लीवाल समाज के लोगो ने प्रत्याशी मुकेश जैन, खेड़ली अध्यक्ष योगेश भाई लाला का स्वागत किया। इस मौके पर रिखबचंद जैन, खेमचंद जैन अलीपुर, अनिल जैन,राजकुमार जैन,धर्मचंद जैन,खेमचंद दांतिया,योगेश बिचगॉबा,सुमेरचंद जैन, दिनेश जैन, अशोक जैन, सुधीर जैन, सुनील मामा, दिलीप जैन, डा. अमित जैन , जितेंद्र जैन संदीप जैन मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर विविध आयोजन

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। आइडियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुशलगढ़ में शिक्षक दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें स्कूल प्रबंध द्वारा शिक्षकों को माला पहनाकर उनके सम्मान में श्रीफल एवं उपहार भेंट किए 7 विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी समस्त शिक्षकों को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किए 7 इस अवसर पर संस्था निदेशक सम्राट सिंह झाला ने चाणक्य एवं समर्थ गुरु रामदास के प्रसंग द्वारा शिक्षकों की सामर्थ्य की महत्ता को बताया वही प्रधानाचार्य हंसमुख जोशी ने विद्यार्थियों को सदुणों का जीवन में समावेशित करने हेतु विविध प्रसंगों द्वारा जानकारी दी गई 7 नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों ने इस अवसर पर नाटक , कविता , प्रसंग एवं नृत्यों के माध्यम से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया साथ ही विद्यालय द्वारा आयोजित बाल जीमण का सभी बच्चों ने आनंद लिया 7 कार्यक्रम में मतदान द्वारा निर्वाचित हेड बॉय अमन पडियार, सहायक हेड बॉय पर पर्व गादिया , हेड गर्ल गीतांजलि कलाल, सहायक हेड गर्ल राशि पंड्या का चुनाव प्रभारी सुजीत जोशी द्वारा शपथ ग्रहण करवाई गई 7 संचालन तनिष , ध्रुवी, आभा, साक्षी आदि ने किया 7 आभार श्री ईश्वर यादव ने प्रकट किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की छात्र संघ चुनाव 2022 की समीक्षा बैठक एवम् सदस्यता अभियान

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ईकाई कुशलगढ़ की बैठक जिला सहसंयोजक कान्ति लाल गरासिया के नेतृत्व में छात्र संघ चुनाव 2022 की समीक्षा बैठक एवम् अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्यता अभियान 8सितंबर 2022 से शुभारंभ होने जा रहा दोनों विषय को लेकर माता मगरी परिसर कुशलगढ़ में बैठक रखी गई, जिसमें महाविद्यालयों सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या से विद्यार्थी परिषद के सदस्य बनाएं जाने के लिए कार्यकर्ताओं को आह्वान किया इस अवसर पर जिला विस्तारक निर्मल जांगिड़, निलेश कटारा, बलदेव देवदा, गौतम पण दा,चरण सिंह डामोर,देवी सिंह कटारा, प्रकाश मई डा धनराज मई डा,राजेश हूवर, कमल कटारा धनपाल खड़िया, छात्र संघ अध्यक्ष प्रत्याक्षी रहे हेमचंद्र निहरता, अध्यक्ष प्रत्याक्षी पंकज मुनिया छात्र संघ उपाध्यक्ष सुषमा राणा सयुक्त सचिव उम्मीद्वार रहे अश्वीन डामोर अनिल डामोर एडवोकेट देवेंद कटारा हितेश डामोर अंकित निहरता सुनील सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भागवत कथा के चौथे दिन विभिन्न प्रसंगों पर किए प्रवचन

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़ नगर क्षेत्र के गांधी चौक श्री राम जी मंदिर में चल रही कथा के चौथे दिन कथावाचक जय श्री हरी सुरेन्द आचार्य महाराज थांदला वाले ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यासपीठ से जय श्री हरी सुरेन्द आचार्य महाराज थांदला वाले ने मंगलवार को भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र, नृसिंह अवतार आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। इस दौरान कथा सुनने में नगर के कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

टिटपुरी ग्राम सेवा सहकारी समिति के सभी 12 वार्ड हुए निर्विरोध निर्वाचित

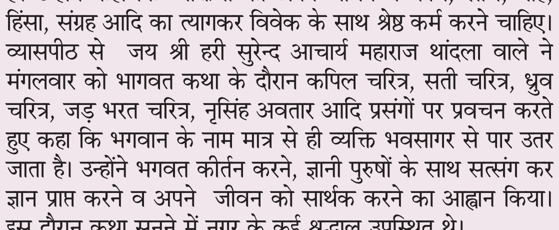

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। टिटपुरी ग्राम सेवा सहकारी समिति संचालक मंडल सदस्य के चुनाव निर्वचन अधिकारी नृपेश सोलंकी के द्वारा वार्ड नंबर 1 से 12 तक कुल 2 नोमीनेशन आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमे सभी संचालक मंडल के सदस्यों को ग्रामवासियो की सहमति से निर्विरोध चुने गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वार्ड नंबर एक आनंद सिंह पुत्र नारायण सिंह,दो से मोहन लाल शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा, तीन से रामवीर सिंह पुत्र जवाहर सिंह, चार से कृष्णा देवी शर्मा प%ी मोहन लाल शर्मा,पाँच से खेमचंद शर्मा पुत्र जगदीश प्रसाद, छः से देवीराम पुत्र रतन, सात से बने सिंह पुत्र कल्याण सिंह, आठ से वीरवती सिंह प%ी बच्चू सिंह गंजपुर, नौ से लेखराम मीना पुत्र रामप्रसाद मीना, दस से मुरारी लाल पुत्र सोहनला, ग्यारह से प्रेमचंद पुत्र गिलहरी,बारह से भागचंद पुत्र जगदीश आदि निर्विरोध निर्वाचित हुए।

जिला कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकाली, जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

अलवर राजस्थान लोकेशन युवराज शर्मा की रिपोर्ट,

ब्रजभूमि कल्याण परिषद जिला अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने बताया कि गांव किशनगढ़ बास के गांव बंबोरा में 30 40 वर्षों से नट समाज के 50 परिवार घर बनाकर कई वर्षों से यहां रह रहे हैं वहां पर समाज के दो मंदिर भी बने हुए हैं सरकारी राशन कार्ड वोटर आईडी और सरकारी बोरिंग भी मौके पर मोजूद है बिजली का कनेक्शन भी है और सभी लोग बिल्कुल बस्ती की तरह परिवार की तरह बसे हुए हैं पिछले दिनों किशनगढ़ बास प्रशासन ने इस क्षेत्र की तारबंदी कर बस्ती के रास्ते को बंद कर दिया और सरकारी कर्मचारीयो ने नट समाज के लोगो को धमकी दी कि सब लोग अपना घर छोड़कर चले जाओ वरना घरों को तोड़ दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा कुछ कर्मचारी इन लोगों से खाली पन्नो पर साइन करवा कर ले गए मामला सामने आने पर समाजसेवी और घुमंतू समाज के लिए कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी जावली और ब्रजभूमि कल्याण परिषद के डॉक्टर पंकज गुप्ता ने मामले को संज्ञान में लिया और वहां रह रहे वासियों को विश्वास दिलाया कि क्षेत्र में उन्हें कोई भी दरबदर नहीं कर पाएगा और इसके लिए अगर सरकार आगे कोई कार्रवाई करती है तो बड़ा आंदोलन करेंगे मौके पर काफी संख्या में बस्ती वासी लख्मीचंद रुस्तम सिंह लाखन सिंह आजाद सिंह मदन सिंह बाबूलाल सतीश आदि उपस्थित थे उन्होंने कहा की संभागीय आयुक्त का आदेश है कि घुमंतू समाज का व्यक्ति चाहे गाड़ी लोहार हो या बंजारा हो या नट हो यदि किसी भी ग्राम पंचायत मकान बना कर रहता है तो उसे 56 वर्ग गज भूमि देनी पड़ेगी उन्होंने एडीएम सिटी को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मामले को तत्काल दिखवाया जाए और परिवार के आशियाने को नहीं हटाया जाए ।

बीकानेर में हजारों मृत गायों की फोटो वायरल हो रही है, लंपी स्किन से मौत का दावा किया जा रहा है क्या है सच्चाई आइए जानते है। वाइरल फ़ोटो की सच्चाई

मरूधर विशेष रिपोर्ट/महावीर सिंह चौहान

राजस्थान में इन दिनों लंपी स्किन से हजारों गायों की मौत हो रही है. इसी बीच बीकानेर की एक तस्वीर वायरल हो रही है. इस वायरल तस्वीर में दावा किया जा रहा है कि आसपास के इलाके की मृत गायें है. और इन गायों की मौत लंपी स्किन से हुई है. ऐसे में सवाल ये है कि क्या इन गायों की वाकई लंपी स्किन से मौत हुई. क्या तस्वीरों में दिख रहें सभी मृत पशु गौवंश ही है. क्या ये सभी मृत पशु पास के ही एक दो गांवों के है. या इसकी सच्चाई कुछ और है. तस्वीर वायरल होने के बाद शासन प्रशासन हरकत में आया. बीकानेर नगर निगम ने मौका रिपोर्ट तैयार कराई.

क्या कहना है नगर निगम का

नगर निगम की ओर से हर साल मृत पशुओं के शवों को उठाने के लिए ठेका दिया जाता है. विगत 50 वर्षों से जिले के जोडबीड़ में मृत पशुओं के शवों का निस्तारण किया जाता है. लंपी बीमारी के चलते यहा प्रतिदिन जिले से 80 से 100 मृत पशुओं का निस्तारण यहां किया जा रहा है. जोडबीड एक गिद्ध संरक्षण क्षेत्र है और ऐसे में यहां मृत गायों को डालने पर वे गिद्धों के भोजन के रूप में खाद्य श्रृंखला का संतुलन बना रहें हैं.

संयुक्त निदेशक ने देखा डंपिंग यार्ड

संयुक्त निदेशक पशुपालन, उपवन संरक्षक वन्य जीव बीकानेर के साथ जोडबीड़ स्थित मृत पशु डंपिग यार्ड का मौका देखा गया. इस दौरान करीब 1000 पशुओं की हड्डियां सूखने के लिए अलग अलग स्थानों पर छोड़ी गई हैं. पशुओं की हड्डियों को सूखने में लगभग 1 महीने का समय लगता है. डंपिग यार्ड में गिद्धों और कुत्तों को जगह जगह घूमते देखा गया जो मृत पशुओं को खा कर अपनी भूख शांत कर रहें थे. ठेकेदारों का कहना है कि फिलहाल रामदेवरा और पूनासार मेले व पदयात्राओं के चलते श्रमिक कम हैं, इसलिए चमड़ा निकालने का काम धीमा पड़ गया है, इसलिए इस क्षेत्र में ज्यादा हड्डियां और पशुशव एकत्रित हो गए हैं.

गिद्ध हैं प्रकृति के सफाई कर्मी

जोड़बीड गिद्ध संरक्षण क्षेत्र के तौर पर जाना जाता है, ऐसे में यहां पर मृत गौवंश के शवों का निस्तारण किया जा रहा है. जिससे गिद्ध इन्हें आहार के रूप में लेकर प्रकृति का संतुलन बनाए रखें. इसके अतिरिक्त गौशाला संचालक एवं आस पास के गावों के ग्रामवासी भी अपने मृत पशु यहां डालते हैं. यहां पर पड़े मृत पशुओं को गिद्ध, रेप्टर्स एवं कुत्ते अपना भोजन बनाते हैं, गिद्ध प्रकृति के सफाई कर्मीहैं और यह स्थल मिस्त्र के गिद्ध, हिमालयी ग्रिफॉन, यूरेशियन गिद्ध, सिनेरियस गिद्ध, पतले बाल वाले गिद्ध, गिद्ध, लंबे बाल वाले गिद्ध, सफेद पूंछ वाले गिद्ध और लाल सिर वाले गिद्ध के लिये विश्व प्रसिद्ध है.

प्रदेश में फैल रही लंपी बीमारी के कारण हजारों गौवंश अपनी जान गंवा चुके हैं. लंपी वाइरस के कहर के चलते गौपालकों और पशुपालकों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं. लंपी बीमारी के साथ एक और बड़ी समस्या है मृत गौवंश के शवों का निस्तारण. सरकारी रिकॉर्ड की बात करें तो अब तक ढाई हजार गायें मरी हैं, लेकिन हकीकत ये है कि हर रोज दो सौ गाय दम तोड़ रही है और आंकड़ा दस से बीस हजार तक पहुंच गया है. अकेले बीकानेर में हर रोज ढाई सौ से तीन सौ गाय जान गंवा रही हैं. ऐसे में शहर की गायों को नगर निगम द्वारा शहर से थोड़ी दूरी पर जंगल एरिया के डंपिंग यार्ड जोडबीड़ गिद्ध संरक्षण क्षेत्र में निस्तारित किया जा रहा है, जहां प्रकृति के सफाई कर्मी के तौर पर पहचाने जाने वाले गिद्ध उन्हें खा रहें हैं. ऐसे में बीहड़ क्षेत्र सुजानदेसर, करमिसर और नाल क्षेत्र में पशुओं को दफनाया जा रहा है.

उत्तम त्याग धर्म का पर्व मनाया

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़ उत्तम त्याग धर्म का पर्व मनाया श्रेया दीदी के सानिध्य मे भगवान पारसनाथ जी पर पंचामृत अभिषेक, शांति धारा से हुआ। पंचामृत अभिषेक के लाभार्थी प्रतीक कद्दू, मनोज सोहनलाल सेठ, सुरेंद्र पिंडारमा, अर्णव रौनक सेठ ने लिया। आरती का लाभ संजय गेंदालाल सेठ परिवार ने लिया। श्रेया दीदी ने अपने प्रवचन में कहा कि त्याग संयम के लिए किया जाता है। दान करने से पुण्य बंध होता हैं। त्याग करने से आत्मा को बल मिलता है एवम मोक्ष मार्ग की वृद्धि होती हैं। रात्रि में समाज के युवकों द्वारा तंबोला प्रतियोगिता ओर मैं मुन्ने बालक बालिकाओं ने धर्म के बारे में जानकारियां दी वलघु नाटिका आयोजित हुई। जिस मैं समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे

मालाखेड़ा कस्बे में निकाली गई प्रभात फेरी

मालाखेड़ा (सतीश कुमार चौधरी)

7 सितंबर बुधवार को मालाखेड़ा कस्बे में प्रातः 6:30 बजे से 7:30 बजे तक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया विजय हॉस्पिटल अलवर के डॉ विजय पाल यादव ने बताया कि मालाखेड़ा कस्बे में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जिसमें हरे राम हरे कृष्णा मंत्र का जाप किया गया यह प्रभात फेरी सुभाष चौक से शुरू होकर मालाखेड़ा कस्बे के मुख्य मार्गो से गुजरती हुई सुभाष चौक पहुंची जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया इस मौके पर मालाखेड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक तिवारी, नेहरू मीणा, देशराज खरेरा, हरिओम शर्मा, दिव्यांग जन कल्याण संस्थान अध्यक्ष सतीश कुमार चौधरी, मनीष सैनी, पत्रकार शक्ति सिंह, उपेंद्र शर्मा, दीपक शर्मा, सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बिजली विभाग की लापरवाही कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

गोरखपुर से मंडल ब्यूरो संजय विश्वकर्मा की रिपोर्ट

मामला देवरिया से गोरखपुर राज्य मार्ग सड़क के बीचोबीच लगे तार का हैं। बिजली विभाग ने डिवाइडर पर बांस बल्ली लगाकर अपने कंजूमर के बिजली कनेक्शन को जोड़ दिया हैं, जिसका तार कंज्यूमर के स्कूल से सड़क के बीचोबीच से होकर गया हैं, जो कभी भी कोई बड़ा हादसा होने का कारण बन सकता है क्युकी देवरिया से गोरखपुर राज्य मार्ग पर बड़ी बॉडी की गाडियां गुजरती हैं जिसके संबंध में अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण निगम देवरिया श्री राम सेवक से वार्ता हुई तो उनका कहना है कि ये गौरी बाजार डिवीजन का मामला है, इसी संबंध में विद्युत वितरण निगम के चीफ गोरखपुर से वार्ता हुई तो उनका कहना हैं की लिखित शिकायत दीजिए फिर मैं जांच करवांता हूं। अधिकारी बड़ी घटना होने के इंतेजार में है की कोई घटना हों तब जाकर मामले को संज्ञान में लेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पवई विधायक के गृह ग्राम पहुंचकर शोकाकुल परिवार को दी सांत्वना

मरुधर विशेष

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को अल्प प्रवास पर पन्ना जिले के पवई विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रहलाद सिंह लोधी के गृह ग्राम रैया सांटा पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विधायक श्री लोधी के पुत्र के निधन पर शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक श्री लोधी के पुत्र श्री महेन्द्र प्रताप सिंह लोधी का विगत 30 अगस्त को बीमारी के उपचार के दौरान निधन हो गया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विधायक के दिवंगत पुत्र के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत आत्मा को शांति देने एवं परिवारजनों को असहनीय कष्ट सहन करने की क्षमता प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। मुख्यमंत्री श्री चौहान खजुराहो से हेलीकॉप्टर द्वारा बनौली हैलीपैड पहुंचे। मुख्यमंत्री का हैलीपैड पर आत्मीय स्वागत किया गया। यहां से कार द्वारा विधायक के गृह ग्राम रवाना हुए। विधायक श्री लोधी के घर से सतना के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हैलीपैड वापस जाते समय छोटी

तिजारा महाविद्यालय में अनेक समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

मरुधर विशेष राकेश सैनी

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिजारा में काफी समस्याओं को लेकर आज एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया जिसमे काफी समस्याओं को लेकर, शिक्षको की कमी, सफाई कर्मचारी की कमी, पानी की समस्याये, बहारी छात्रों की रोक को लेकर छात्रसंघ अध्यक्ष अरुण कुमार,उपाध्यक्ष अजय कुमार महासचिव मोनिका कुमारी,सयुंक्त सचिव मीनू सैनी, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह , डेविड गुर्जर, अजय शेखावत, योगेश शेखावत, मीरा सैनी, सोनिया कुमारी, मोनिका सैनी, धर्मेंद्र वाल्मीकि,जयवीर भंडारी,अमित कुमार, नीरज कुमार,देवेंद्र काका, रोकी, मोनू,कपिल जाटव, प्रिंस जाटव, आसिम, परवेज सभी छात्र छात्राए उपस्थित रहे।

तिजारा किसान के बेटे का पीएचडी एग्रीकल्चर में हुआ चयन

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा संदीप कुमार नौगावां का हुआ पीएचडी एग्रीकल्चर में चयन,संदीप कुमार अब श्री करण नरेंद्र कृषि विश्विद्यालय जोबनेर से करेंगे पीएचडी,संदीप ने ऑल राजस्थान जेट एग्जाम में चौथी रैंक प्राप्त की थी। संदीप कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां रामभुतेरी और पिता बालकृष्ण और अपने गुरुजनों को दिया।संदीप ने एमएससी एग्रीकल्चर में भी ऐडमिशन आई सी अ आर द्वारा आयोजित परीक्षा में ऑल इंडिया 143 रैंक हासिल कर शुआट्स इलाहाबाद से 86.10%अंको से हासिल की है।इसके साथ ही बीएससी एग्रीकल्चर के लिए आयोजित जेट परीक्षा में ऑल राजस्थान 91वी रैंक हासिल कर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बीकानेर से बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर की है

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मरुधर हिन्द उदयपुर

कोटड़ा ब्लॉक के शिक्षक संघ ने बुधवार 7 सितंबर 2022 को उपखंड कार्यालय में अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। सभा अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि प्रदेश के समस्त ब्लॉक में शिक्षकों द्वारा पांच ज्वलंत समस्याओं का ज्ञापन दिया गया। पांच सूत्रीय ज्वलंत मांगों का मांग पत्र 1. राजस्थान प्रदेश मेंअन्य कार्मिकों व शिक्षकों की बातें तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण स्पष्ट व पारदर्शी नीति बनाकर शीघ्र किए जावे तथा टीएसपी से नॉन टीएसपी जिलों में समायोजन में प्रतिबंधित जिलों के सामान्य जिला में भी ऐसे शिक्षकों के स्थानांतरण किए जाए। 2. शिक्षकों को बीएलओ सहित अनेक अशैक्षणिक कार्यों से मुक्त कराया जाकर केवल शैक्षणिक कार्य ही कराया जाए। 3. राजस्थान के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उपप्रधानाचार्य के पद पर 50% सीधी भर्ती से भरे जाए जिसमें तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तीन वर्ष के अनुभव को प्राथमिकता दी जाए। 4. प्रबोधक का पदनाम अध्यापक किया जाए तथा शेष रहे पैरा टीचर, लोक जुंबिश कर्मी, शिक्षा कर्मियों को उनकी योग्यता के आधार पर नियमित किया जाकर तृतीय श्रेणी शिक्षक के समान समस्त परीलाभ दिए जाए। 5. पीडी मद से प्राप्त कर रहे शिक्षक व अन्य कार्मिकों का वेतन एक ही आहरण वितरण अधिकारी के माध्यम से कराने की ठोस व्यवस्था की जाए तथा वेतन समय पर मिले इसके लिए वेतन बजट एक मुश्त किया जाए। ज्ञापन के दौरान सभा अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार गरासिया, अध्यक्ष सोहन लाल गरासिया, खेमराज पारगी, उजमाराम वडेरा आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

एनिमिया मुक्त राजस्थान के लिए शक्ति दिवस मनाया गया

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। मगलवार को अवकाश् के कारण बुधवार को एनिमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहद शक्ति दिवस मनाया गया। एडिशनल सीएमएच्ओ डा.भरतराम् मीणा ने बताया की बुधवा को शक्ति दिवस मनाया आंगनवाडी केंद्र,राजकीय स्कूल ,उप स्वास्थ केन्द्रो ,हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटर ,सी एच सी,पी एच सी ,व राजकीय चिकित्सा संस्थाओ पर मनाया गया। इसमें एनिमिया की पहचान कर प्रारम्भिक अवस्था मे एनिमिया की दर को कम करने का उद्देश्य हे। फिर उन्होंने बताया की राजस्थान् के बच्चो ,महिलाओ ,व किशोरियो मे एनिमिया की दर बड़ कर परिलक्षित होने पर एनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहद तीनो विभागो की ओर से सयुक्त रूप से एनिमिया की दर को कम करने के लिए गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा हे जिला स्तरीय ओर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने निरीक्षण किया। ये जानकारी यश व्यास ने दी।

फाइनेंशियल अवेयरनेस के बारे में एक इवेंट आयोजन

मरूधर विशेष/विक्रम सिंह

फिनवायरल प्राइवेट लिमिटेड जोकि फिनटेक स्टार्टअप कंपनी है 10 सितंबर को सीडीएसएल और मोतीलाल ओसवाल ग्रुप के संयोजन में एक इवेंट आयोजन कर रही है। जिसमें वर्तमान परिस्थिति में जरूरी फाइनेंशियल अवेयरनेस के बारे में जोर दिया जाएगा, कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर रवि कुमार शर्मा ने बताया कि इस समय में फाइनेंशियल नॉलेज होना बहुत जरूरी है तभी हमारा राष्ट एक विकसित राष्ट बन पाएगा, आगे कहां कि हिंदुस्तान में लगभग 10 करोड डीमैट खाता खुल चुके हैं जो यह बताते हैं कि अब लोग खुद फाइनेंशली अवेयर होना चाहते हैं इस लिये इंडियन मार्केट के लिए ये एक मजबूत संकेत है ।

केदारनाथ धाम में हुआ दंगल व मेले का आयोजन

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां- कामां कस्बे के निकटवर्ती गांव बिलौंद स्थित केदारनाथ नाथ झिरी मंदिर पर महंत सुखदेव दास के सानिध्य में मेले व कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। गांव बिलौंद निवासी अर्जुन सिंह गुर्जर ने बताया कि हर वर्ष कामा भोजनथाली परिक्रमा मेले के बाद आने वाली जलझूलनी एकादशी को केदारनाथ धाम झिरी पर मेले का आयोजन होता है इस बार भी महंत सुखदेव दास के सानिध्य में मेले का आयोजन किया गया जलझूलनी एकादशी के अवसर पर लोगों ने केदारनाथ धाम में स्थित गौरी कुंड में स्नान किया और पहाड़ पर स्थित भगवान शिव के दर्शन किए और जलाभिषेक किया शाम को मंदिर परिसर के बाहर खेतों में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया जिसमें दर्जनों पहलवानों ने जोर आजमाइश का इनाम जीती कुश्ती दंगल मेला देखने के लिए आसपास के गांवो के हजारों लोग मौजूद रहे7 लोगों ने मेले में जमकर खरीदारी भी की।

नौनेरा डूब क्षेत्र की पानी निकासी के लिए लगे 5 पंपसेट चोरी

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां - कामां उपखंड के गांव नौनेरा व किरावटा के पास से गुजर रही गुडगॉवां कैनाल के किनारे डूब क्षेत्र के पानी की निकासी के लिए दो कमरो मे लगाए गए पांच पंपसैटो को देर रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गए घटना के बाद डूब क्षेत्र का पानी निकासी का कार्य फिर से रुक गया है और किसानों के सामने संकट पैदा हो गया है7 पंपसेट लगाने वाले ठेकेदार रामेश्वर गुर्जर ने बताया कि करीब ?5लाख की लागत से गुडगांव कैनाल के किनारे दो अलग-अलग कमरे बनाकर 5 पंपसेट लगाए गए थे जिनसे डूब क्षेत्र के पानी को खींचकर गुडगॉवां कैनाल में डाला जाता था लेकिन देर रात्रि को अज्ञात चोर दोनों कमरों के ताले तोड़कर 5 लाख रुपए की लागत के पांच पंपसैटों को चोरी कर ले गए पंपसेट चोरी होने के बाद अब डूब क्षेत्र से पानी निकासी का कार्य रुक गया जिससे किसानों के सामने संकट पैदा हो गया है रामेश्वर गुर्जर ने बताया कि घटना की सूचना जुरहरा थाना पुलिस को दे दी गई है7 मामला दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है7 फोटो-कमरों का ताला तोड़कर चोरी हुए पंप सेट व मौके पर पड़ा टूटा हुआ ताला